REET Previous Questions

भाषा की शिक्षण विधि, भाषा शिक्षण के उपागम, भाषा दक्षता का विकास

1. बेसिक शिक्षा प्रणाली में भाषा की शिक्षा निम्नलिखित में से किस माध्यम से दी जा सकती है?

[REET 2022 L-1]

(a) केवल किताबी ज्ञान से।

(b) सामाजिक पर्यावरण से।

(c) प्रगति–सूचक लेखाचित्र से।

(d) इनमें से कोई नहीं। **(b)**

➢ **व्याख्या**–बेसिक शिक्षा प्रणाली–इस प्रणाली में बच्चों का शारीरिक, मानसिक, नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक विकास किया जाता है। भाषा का शिक्षण सामाजिक पर्यावरण से प्रदान की जाती है। इसमें बच्चों को मातृभाषा का ज्ञान कराया जाता है।

2. भाषा शिक्षण के संदर्भ में वैयक्तिक अनुदेशन प्रणाली की क्या सीमा है ?

[REET 2022 L-1]

(a) इसमें विद्यार्थी को भाषा के तत्त्वों का ज्ञान प्रभावी रूप से करवाया जा सकता है।

(b) इसमें विद्यार्थी को भाषायी कौशल में दक्ष किया जा सकता है।

(c) इसमें वैयक्तिक शिक्षण पर अधिक बल दिया जाता है।

(d) यह शिक्षण प्रणाली अधिक विद्यार्थियों वाली बड़ी कक्षा में अध्यापन के लिए उपयोगी नहीं है। **(d)**

➢ **व्याख्या**–वैयक्तिक अनुदेशन प्रणाली की सीमा–

- यह शिक्षण प्रणाली अधिक विद्यार्थियों वाली बड़ी कक्षा में अध्यापन के लिए उपयोगी नहीं है।
- इस प्रणाली में ग्रेड देना मुश्किल होता है।
- यह प्रणाली तभी उपयोग की जा सकती है जब निष्ठुरता स्तर तक पहुँचना शिक्षा का मकसद हो।

3. मॉण्टेसरी शिक्षण विधि के संबंध में सत्य कथन है:

[REET 2022 L-1]

(a) मॉण्टेसरी फ्रांस की शिक्षाशास्त्री थी।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

(b) मॉण्टेसरी प्रणाली को पाँच भागों में विभाजित किया गया है।
(c) मॉण्टेसरी फ्रोबेल की विचारधारा से अप्रभावित थी।
(d) मॉण्टेसरी विधि में पढ़ने से पहले लिखना सिखाया जाता है।

(d)

➢ **व्याख्या**–मॉन्टेसरी शिक्षण विधि–इसमें विद्यार्थी / बच्चों को स्वाभाविक रुचियों और गतिविधियों को शामिल किया जाता है। इस पद्धति में औपचारिक शिक्षण विधियों की जगह व्यवहारिक शिक्षा के कौशल विकसित किए जाते हैं। इस विधि में पढ़ने से पहले लिखना सिखाया जाता है।

4. हरबर्ट द्वारा स्थापित सहसंबंध विधि के चिंतन को आगे किस विद्वान ने बढ़ाया ?

[REET 2022 L-1]

(a) कुक (b) थॉर्नडाइक
(c) जिलर (d) पॉवलाव **(c)**

➢ **व्याख्या**–सहसम्बन्ध विधि–हरबर्ट का अधिगम के सम्बन्ध में धारणा है कि प्रत्येक छात्र बाहर से मिलने वाले ज्ञान को संचित करता रहता है। वह उसे नवीन ज्ञान के साथ छोटे-छोटे सोपानों में बाँटकर पूर्व संचित ज्ञान से सम्बन्ध स्थापित कर सकता है। हरबर्ट का शिष्य जिलर था जिसने सर्वप्रथम इसे दो भागों में बाँट दिया जो थी पाठ की प्रस्तावना और प्रस्तुतीकरण।

5. किण्डरगार्टन शिक्षण विधि के संबंध में सत्य कथन है–

[REET 2022 L-1]

(a) यह एक अमनोवैज्ञानिक प्रणाली है।
(b) यह उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए अधिक उपयोगी है।
(c) कुक महोदय ने इस विधि को निश्चित रूप प्रदान किया।
(d) भाषा के व्याकरण एवं साहित्य की शिक्षा इस विधि से नहीं दी जा सकती। **(d)**

➢ **व्याख्या**–किण्डरगार्टन शिक्षण विधि–फ्रेडरिक फ्रोबेल को इसका जनक माना जाता है। यह एक जर्मनी शिक्षाविद थे। इसका अर्थ है बालवाडी (बच्चों का बगीचा)। इस विधि में बच्चों को खेल खेल में सिखाया जाता है। इस विधि के द्वारा भाषा के व्याकरण एवं साहित्य ज्ञान की शिक्षा नहीं दी जा सकती है।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

6. सूक्ष्म–शिक्षण उपागम का उद्देश्य एवं लक्ष्य होता है'

[REET 2022 L-1]

(a) विद्यार्थी के व्यवहार में परिवर्तन करना।

(b) शिक्षक–प्रशिक्षणार्थियों के व्यवहार में परिवर्तन करना।

(c) संस्था प्रधान के व्यवहार में परिवर्तन करना।

(d) विकल्प (a) और (b) दोनों **(b)**

➢ **व्याख्या**–सूक्ष्म-शिक्षण उपागम का उद्देश्य एवं लक्ष्य

- इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों के व्यवहार में परिवर्तन करना।
- शिक्षकों में शिक्षण कौशल का विकास करना।
- शिक्षकों को अपनी शिक्षण तकनीकों में सुधार करने में मदद करना।
- शिक्षकों की नियमित शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की जटिलताओं को सरल बनाना।

7. डाल्टन प्रणाली का आविष्कार किसने किया ?

[REET 2022 L-2, Shift-2]

(a) किलपैट्रिक ने (b) डाल्टन ने

(c) माण्टेसरी ने (d) पार्कहर्स्ट ने

(d)

➢ **व्याख्या**–डाल्टन प्रणाली–एक ऐसी शैक्षिक पद्धति जिसमें छात्र अपनी गति से काम करते हैं और आवश्यकता होने पर शिक्षक से मदद लेते हैं। इसमें कोई औपचारिक निर्देश नहीं होता है। डाल्टन प्रणाली हेलेन पार्कहर्स्ट द्वारा बनाई गई।

8. ब्लूम उपागम के अनुसार शिक्षा की त्रिपदी प्रक्रिया में सम्मिलित पद है–

[REET 2022 L-2, Shift-2]

(a) सामान्यीकरण (b) व्यावहारिक प्रयोग

(c) प्रस्तुतीकरण (d) व्यवहार परिवर्तन

(d)

➢ **व्याख्या**–ब्लूम उपागम के अनुसार शिक्षा की त्रिपदी प्रक्रिया में शैक्षिक शिक्षण उद्देश्यों को जटिलता और विशिष्टता के स्तरों में वर्गीकृत किया गया है।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

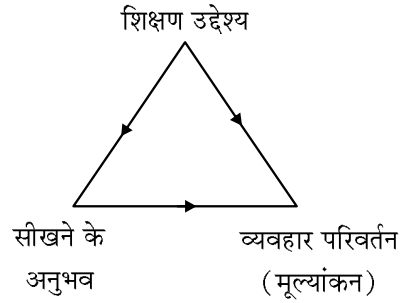

9. विनेटका शिक्षण पद्धति के बारे में सही कथन है–
[REET 2022 L-2, Shift-2]

(a) इस पद्धति का प्रयोग कार्लटन वाशबर्न ने किया।
(b) इसका नामकरण अमेरिका के विनेटका शहर में प्रयोग होने से हुआ।
(c) यह पद्धति प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर प्रयुक्त की गई।
(d) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं। **(d)**

➢ **व्याख्या**–विनेटका शिक्षण पद्धति–इस पद्धति को प्राथमिक स्तर पर उपयोग किया गया जिसका प्रयोग कार्लटन वाशबर्न ने अमेरिका के विनेटिका शहर में किया। इस पद्धति में पाठ्यक्रम को छोटे-छोटे कामों में बाँटा जाता है। इसमें छात्र अपनी गति से सीखता है और स्वयं परीक्षा लेता है। इस पद्धति में सामाजिक विकास पर जोर दिया जाता है।

10. ''किण्डर गार्टन'' जर्मन भाषा का शब्द है, जिसका सही अभिप्राय है–
[REET 2022 L-2, Shift-3]

(a) बच्चों का बाग। (b) खेल का मैदान।
(c) बाग का माली। (d) बच्चों की पाठशाला।

(a)

➢ **व्याख्या**–किण्डर गार्टन–यह जर्मन भाषा का शब्द है जिसका अभिप्राय है बच्चों का बाग। फ्रेडरिक फ्रोबेल एक जर्मन शिक्षक थे, इन्हें ही इसका संस्थापक माना जाता है। इसमें बच्चे को खेल-खेल में सिखाया जाता है। शिक्षक आकर्षक और संवादात्मक वातावरण का निर्माण करता है। जहाँ बच्चा संरचित खेल के माध्यम से शैक्षणिक और सामाजिक कौशल सीखते हैं।

11. इनमें से कौन सा 'परिवीक्षित अध्ययन उपागम' का सोपान नहीं है?
[REET 2022 L-1]

(a) अध्ययन कार्य का आवंटन।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

(b) अध्ययन हेतु निर्देश।
(c) विद्यार्थियों द्वारा स्वाध्याय एवं शिक्षक द्वारा मार्गदर्शन।
(d) कलात्मक प्रायोजना। **(d)**

➢ **व्याख्या–**पर्यवेक्षित अध्ययन प्रविधि–इसे महान अमेरिकी मॉरिसन द्वारा किया गया जिसे निरिक्षित, निरीक्षण, समाजीकृत, परिवीक्षित, अभिव्यक्ति विधि, उपचारी विधि जैसे नामों से जाना जाता है।

- बाईनिंग व बाईनिंग–''मेज या दराजों के चारों ओर बैठे हुए कार्यरत समूह या कक्षा के शिष्यों का शिक्षक द्वारा पर्यवेक्षिण करना ही पर्यवेक्षित अध्ययन है।''
- पर्यवेक्षित अध्ययन विधि के सोपान / पद
- अध्ययन कार्य का आवंटन
- अध्ययन हेतु निर्देश
- विद्यार्थियों द्वारा स्वाध्याय एवं शिक्षक द्वारा पर्यवेक्षण
- पुनरावृत्ति या आवृत्ति प्रश्न एवं श्यामपट्ट सार

12. अभिक्रमित अनुदेशन विधि का सिद्धांत है:

[REET 2022 L-1]

(a) ज्ञान की पूर्ण इकाई का सिद्धांत।
(b) सामाजिक सहयोग का सिद्धांत।
(c) क्रमित लघु पदों का सिद्धांत।
(d) व्यष्टित्व का सिद्धांत। **(c)**

➢ **व्याख्या–**अभिक्रमित अनुदेशन विधि के जनक नॉर्मन ए. क्राउडर को माना जाता है। इसमें पाठ्य सामग्री को छोटे-छोटे अंशों में विभाजित किया जाता है जो एक दूसरे से रेखीयबद्ध होते हैं। अभिक्रमित अनुदेशन विधि के सिद्धान्त–

- लघु चरणों का सिद्धान्त / क्रमित लघु पदों का सिद्धान्त
- पुनर्बलन का सिद्धान्त
- सक्रिय प्रतिक्रिया का सिद्धान्त
- तत्काल प्रतिक्रिया का सिद्धान्त
- स्व-गति का सिद्धान्त
- स्व-परीक्षण का सिद्धान्त

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

13. इनमें से भाषा शिक्षण के मूल उद्देश्यों में भाषायी दक्षताएँ प्राप्त करने का आधार होती हैं'

[REET 2022 L-1]

(a) समूहवार भाषायी दक्षताएँ।
(b) लैंगिक समूहवार भाषायी दक्षताएँ।
(c) कक्षावार भाषायी दक्षताएँ।
(d) पारिवारिक पृष्ठभूमि की भाषायी दक्षताएँ। **(c, d)**

➢ **व्याख्या**–भाषा शिक्षण–इसमें बालक को मुख्य भाषायी दक्षता पढना, लिखना, सुनना, बोलना सिखाया जाता है। भाषायी दक्षता को प्राप्त करने का आधार पारिवारिक पृष्ठभूमि की भाषायी दक्षताएँ तथा कक्षावार भाषायी दक्षताएँ हैं। बालक अपने घर से सर्वप्रथम भाषा सीखता है।

14. भाषा–शिक्षण में पाठ्य–पुस्तक है:

[REET 2022 L-1]

(a) साध्य
(b) साधन
(c) विकल्प (a) और (b) दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

(b)

➢ **व्याख्या**–भाषा-शिक्षण में पाठ्य पुस्तक साध्य नहीं, साधन है। पाठ्य-पुस्तकें शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को व्यवस्थित कर शिक्षक तथा विद्यार्थियों को उनके शिक्षण का उद्देश्य बताती है। पुस्तक को शिक्षण सहायक सामग्री के रूप में मुख्य शैक्षिक साधन माना गया है। इस प्रकार कह सकते हैं कि पाठ्यपुस्तक साध्य नहीं साधन है।

15. भाषा–शिक्षण में सबसे कम महत्त्व की अधिगम सामग्री है:

[REET 2022 L-1]

(a) चित्र कथाएँ (b) शब्द पट्टी
(c) मानचित्र (d) वाक्य पट्टी

(c)

➢ **व्याख्या**–भाषा शिक्षण में सबसे कम महत्व की अधिगम सामग्री मानचित्र है। प्राय:

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

मानचित्र का उपयोग राजनैतिक, भौगोलिक दशा निर्देशन के सम्बन्ध में उपयोग किया जाता है।

16. विद्यार्थियों को पुस्तकों के माध्यम से भाषा की मूल ध्वनियों एवं लिपि का ज्ञान कराकर उन्हें पढ़ने लिखने के कौशल में दक्ष किया जाता है। इस विधि को कहा जाता है

[REET 2022 L-2, Shift-2]

(a) भाषा प्रयोगशाला विधि
(b) भाषा संसर्ग विधि
(c) पाठ्य–पुस्तक विधि
(d) खेल विधि

(c)

➢ **व्याख्या**–पाठ्य पुस्तक विधि–इस विधि में विद्यार्थियों को पुस्तकों के माध्यम से भाषा की मूल ध्वनियों एवं लिपि का ज्ञान कराकर उन्हें पढ़ने लिखने के कौशल में दक्ष किया जाता है। इस विधि का प्रवर्तक डॉ. वेस्ट महोदय को माना जाता है। पाठ्यपुस्तकों की मुख्य भूमिका संरचित और व्यवस्थित सामग्री प्रदान करना है।

17. संरचनात्मक उपागम का अन्य नाम है–

[REET 2022 L-2, Shift-2]

(a) ध्वनि निर्माण उपागम
(b) अक्षर गठन उपागम
(c) वाक्य गठन उपागम
(d) वाक्य पठन उपागम

(c)

➢ **व्याख्या**–संरचनात्मक उपागम–इसमें वाक्यों के ढाँचों पर जोर दिया जाता है। यह एक छात्र केन्द्रित उपागम है। इस विधि में खंड, वाक्यांश या शब्द का उपयोग किया जाता है तथा वाक्य का गठन किया जाता है।

18. जेट कॉक विधि किस भाषायी दक्षता के विकास में प्रयुक्त होती है?

[REET 2022 L-2, Shift-2]

(a) पठन दक्षता।
(b) वादन दक्षता।
(c) वाचन दक्षता।
(d) लेखन दक्षता।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

(*)

➢ **व्याख्या**–जेट कॉक विधि–इस विधि में शिक्षक बालकों द्वारा पढ़े वाक्यों को स्वयं लिखकर छात्रों को लिखने के लिए देता है। छात्र एक–एक शब्द लिखकर अध्यापक द्वारा लिखित शब्दों से मिलाते हुए स्वयं संशोधन करते हुए चलते हैं। जब पूर्ण वाक्य लिख जाता है तब शिक्षक छात्रों से बिना देखे हुए लिखने को कहता है।

19. निम्न में से मातृभाषा, राष्ट्रीय जागरण और सांस्कृतिक पुनरुत्थान को जिस शिक्षण विधि से बल मिला है: **[REET 2022 L-2, Shift-3]**

(a) डाल्टन योजना (b) बेसिक शिक्षा

(c) किण्डर गार्टन विधि (d) प्रोजेक्ट पद्धति

(b)

➢ **व्याख्या**–बेसिक शिक्षा–इसे बुनियादी शिक्षा के नाम से जाना जाता है। जिसमें बालक का सामाजिक, मानसिक, शारीरिक, जैसे समग्र विकास पर जोर दिया जाता है। यह शिक्षा राष्ट्रीय संस्कृति, सभ्यता, मातृभाषा पर केन्द्रित होती है। इसमें चारों कौशल मौलिक भाषा, पठन, लेखन के कौशल सम्मिलित होते हैं।

20. प्राथमिक स्तर के पश्चात् पद्य और कविताओं का चयन करते समय ध्यान रखना चाहिए –

[REET 2022 L-2, Shift-3]

(a) कविता की भाषा क्लिष्ट होनी चाहिए।

(b) कविता जीवन से दूर कृत्रिम हो।

(c) कविता की भाषा कक्षा स्तर के अनुकूल हो।

(d) कविता कल्पना जगत में विचरण नहीं करती है। **(c)**

➢ **व्याख्या**–प्राथमिक स्तर के पश्चात पद्य और कविताओं का चयन करते समय कविता की भाषा, कक्षा स्तर के अनुकूल हो जैसे कारकों का ध्यान रखना चाहिए।

21. मात्रेतर भाषाओं के शिक्षण की प्राचीन विधियों में से भिन्न विधि है– **[REET 2022 L-2, Shift-4]**

(a) भाषा संसर्ग विधि (b) अप्रत्यक्ष विधि

(c) खेल विधि (d) पाठ्य–पुस्तक प्रणाली **(c)**

➢ **व्याख्या**–खेल विधि–प्राथमिक स्तर पर इस विधि को सर्वश्रेष्ठ विधि माना जाता है। खेल विधि के प्रतिपादक हेनरी कुक हैं। जिसे फ्रेडरिक फ्रोबेल द्वारा लोकप्रिय बनाया गया।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

इस विधि में बच्चों को खेल-खेल में सिखाया जाता है। यह एक नवीन वैज्ञानिक विधि है।

22. शिक्षण उपागम में कीथ एवं प्रोफेसर एलन का महत्त्वपूर्ण योगदान है– **[REET 2022 L-2, Shift-4]**

(a) सूक्ष्म शिक्षण (b) व्याख्यान शिक्षण
(c) पाठ योजना (d) बेसिक शिक्षण

(a)

➢ **व्याख्या**–सूक्ष्म शिक्षण विधि–इसकी शुरुआत 1961 में स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में शोधरत कीथ एचीसन द्वारा की गई। इस विधि में छात्रों की संख्या एवं समय की अधिकता को कम कर दिया जाता है। सूक्ष्म शिक्षण में शिक्षक एक साथ क्रिया करके शिक्षण के विभिन्न पक्षों को लघु रूप प्रदान कर अर्थात् अलग-अलग कौशलों का अभ्यास करके शिक्षण की जटिलता को कम करता है। इस शिक्षण को एलन ने 'अवरोही शिक्षण विद्या' कहा है।

23. "इस काल में मानसिक विकास तेज गति से होता है, कल्पना, चिन्तन, तर्क शक्तियाँ बढ़ती हैं और अमूर्त चिन्तन करने लगते हैं। वाक्य बालक के किस काल के लिए कहा है?

[REET 2022 L-2, Shift-4]

(a) वयस्क काल के लिए
(b) प्रौढ़ काल के लिए
(c) किशोर काल के लिए
(d) शैशव काल के लिए **(c)**

➢ **व्याख्या**–किशोरावस्था–यह बाल अवस्था और व्यापकता के मध्य वृद्धि एवं विकास का संक्रमणकालीन चरण है। इसकी अवधि 12 से 19 वर्ष मानी जाती है। यह तूफान एवं संघर्ष का काल माना जाता है। किशोरावस्था में मानसिक विकास तेज गति से होता है, कल्पना, चिन्तन, तर्क शक्तियाँ बढ़ती हैं और बालक अमूर्त चिन्तन करने लगता है।

24. बच्चों के लिए भाषा सीखने का सर्वोत्तम समय होता है– **[REET 2022 L-2, Shift-4]**

(a) 6 से 9 वर्ष आयु वर्ग
(b) 12 से 15 वर्ष आयु वर्ग
(c) 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग
(d) 21 से 24 वर्ष आयु वर्ग **(a)**

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

➢ **व्याख्या**–बच्चों के भाषा सीखने का सर्वोत्तम समय 6 से 9 वर्ष आयु वर्ग का होता है। बच्चों में भाषा अर्जित करने की जन्मजात क्षमता होती है। इस प्रमुख कारण बालक का सामाजिक प्रवृत्ति का बढ़ना है। इसमें बच्चे सर्वाधिक सीखते हैं।

25. 'हिन्दी शिक्षण में मूल ध्वनियों की संख्या अधिक होना" उच्चारण में किस स्तर के छात्रों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है? **[REET 2022 L-2, Shift-4]**

(a) किशोर स्तर पर (b) युवा स्तर पर

(c) शिशु स्तर पर (d) प्रौढ़ स्तर पर

(c)

➢ **व्याख्या**–हिन्दी शिक्षण में मूल ध्वनियों की संख्या अधिक होना, उच्चारण में शिशु स्तर पर छात्रों के लिए सबसे बड़ी चुनौती है, हिन्दी वर्णमाला में कुल 12 स्वर, 45 व्यंजन तथा दो अयोगवाह ध्वनियाँ हैं। इस प्रकार ध्वनियाँ परस्पर मिलकर 59 हो जाती हैं।

26. उच्च प्राथमिक स्तर पर मौखिक भाषा शिक्षा की प्रत्यक्ष विधि का सही उदाहरण है –

[REET 2022 L-2, Shift-4]

(a) प्रदर्शन एवं निर्देशन

(b) आदर्श सम्भाषण

(c) अभिनय प्रदर्शन

(d) सहानुभूतिपूर्वक व्यवहार **(c)**

➢ **व्याख्या**–अभिनय प्रदर्शन–यह उच्च प्राथमिक स्तर पर उपयोग की जाने वाली विधि है जिसमें छात्र द्वारा अभिनय प्रदर्शन किया जाता है। यह मौखिक भाषा शिक्षा की प्रत्यक्ष विधि है। अभिनय में किसी शब्द / पद के भाव को दर्शकों तक पहुँचाया जाता है। अभिनय के चार प्रकार होते हैं–

(1) आंगिक अभिनय (2) वाचिक अभिनय (3) आहार्य अभिनय (4) सात्विक अभिनय।

27. प्रोफेसर किलपैट्रिक किसके शिष्य थे ?

[REET 2022 L-2, Shift-4]

(a) पारकर (b) जॉन डी.वी.

(c) मेरियन (d) पार्क हर्स्ट **(b)**

➢ **व्याख्या**–प्रोफेसर किल पैट्रिक जॉन डी.वी. के शिष्य थे।

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

किल पैट्रिक ने शिक्षण की परियोजना विधि विकसित की थी। जिसे 'प्रोजेक्ट विधि' कहा जाता है।

28. प्रतिलेख में विद्यार्थियों को किस आकार के अक्षर बनाने होते हैं? **[REET 2022 L-2, Shift-4]**

(a) छोटे। (b) बड़े।

(c) किसी भी आकार के (d) सूक्ष्म आकार के

(c)

➢ **व्याख्या**–प्रतिलेख–किसी लिखित रूप अनुसरण करके पुनः वही शब्द लिखना। इसमें अध्यापक पुस्तक या श्यामपट्ट से कुछ अंश को देखकर छात्रों से लिखने को कहता है। ये अक्षर को किसी भी आकार में बना सकते हैं।

29. मौखिक भाषा शिक्षण की प्रत्यक्ष विधियों में कौन सी विधि नहीं आती है ?

[REET 2022 L-2, Shift-4]

(a) भाषण (b) वार्तालाप

(c) अभिनय (d) गद्य शिक्षण **(d)**

➢ **व्याख्या**–मौखिक भाषा शिक्षण की प्रत्यक्ष विधियों में भाषण विधि, वार्तालाप विधि, वाद-विवाद विधि, अभिनय प्रदर्शन विधि, नाटक विधि, रंगमंच विधि को शामिल किया जाता है। गद्य शिक्षण में पहले अध्यापक गद्य का आदर्श वाचन करते हैं और फिर छात्र उसका अनुसरण।

30. राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी द्वारा प्रवर्तित 'बेसिक शिक्षा' का एक प्रमुख सिद्धांत है- [REET 2021 L-1]

(a) व्यक्तिगत भिन्नता पर बल देना।

(b) कक्षा के स्थान पर प्रयोगशाला में शिक्षा देना।

(c) मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान करना।

(d) खेल के माध्यम से शिक्षा देना। **(c)**

➢ **व्याख्या**–बेसिक शिक्षा का सम्प्रत्यय महात्मा गांधी द्वारा दिया गया। गांधीजी के अनुसार बुनियादी शिक्षा का आधार भारतीय संस्कृति है जो प्रत्येक बच्चों को उसके सभी क्षेत्रों में दी जानी आवश्यक है। इसमें मातृभाषा के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर बच्चे का मानसिक,

More PDF Download : Rajasthanclasses.in

शारीरिक, सांस्कृतिक, आर्थिक विकास किया जाता है। यह एक व्यवहार / आचरण आधारित शिक्षा है।

31. ध्वनि, शब्द एवं वाक्य-रचना का ज्ञान देना हिन्दी शिक्षण का कौन-सा उद्देश्य है?

[REET 2021 L-1]

(a) कौशलात्मक उद्देश्य (b) सृजनात्मक उद्देश्य
(c) रसात्मक उद्देश्य (d) ज्ञानात्मक उद्देश्य

(d)

➢ **व्याख्या**–ध्वनि, शब्द एवं वाक्य रचना का ज्ञान देना हिन्दी शिक्षण का ज्ञानात्मक उद्देश्य है। ज्ञानात्मक उद्देश्यों में सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, सीखना सम्मिलित है।

इसमें व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान, भाषा प्रयोग आदि भी सम्मिलित हैं।

32. ''शिक्षकों को बालक की रुचि का सदैव ध्यान रखना चाहिए। जब बालक की रुचि पढ़ने की ओर नहीं हो, तो उसे नहीं पढ़ाना चाहिए। इससे उसके विचारों में बाधा पहुँचती है। पाठ पढ़ाने से पूर्व उन्हें पाठ में बालकों की रुचि पैदा करनी चाहिए।'' उपर्युक्त कथन भाषाई कौशल में किसका है? [REET 2021 L-1]

(a) स्टीवेन्सन का (b) कार्लटन का
(c) हरबर्ट का (d) ड्यूवी का

(c)

➢ **व्याख्या**–भाषाई कौशल के संदर्भ में हरबर्ट का कथन है कि शिक्षकों को बालक की रुचि का सदैव ध्यान रखना चाहिए। जब बालक की रुचि पढ़ने में नहीं हो तो उसे नहीं पढ़ाना चाहिए। इससे उसके विचारों में बाधा पहुँचती है। पाठ पढ़ाने से पूर्व उन्हें पाठ में बालकों को रुचि पैदा करनी चाहिए। हरबर्ट ने पंचपदी सिद्धान्त दिया जिसमें प्रस्तावना < उद्देश्य < कथन < प्रस्तुतीकरण < नियमीकरण < प्रयोग, मूल्यांकन, अभ्यास कार्य।

33. भाषा शिक्षण विधियों में कौन-सी विधि प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए नितान्त व्यर्थ है?

[REET 2021L-1]

(a) डाल्टन प्रणाली (b) प्रोजेक्ट प्रणाली
(c) माण्टेसरी पद्धति (d) किण्डरगार्टन पद्धति

(a)

More PDF Download : Rajasthanclasses.in